अंबेडकर विश्वविद्यालय छह गांवों को गोद लेगा

पहल

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

राजधानी के गांवों को सवांरने के लिए यहां स्थित विश्वविद्यालय उन्हें गोद लेंगे। वह गांववालों को कानूनी शिक्षा, सामाजिक सौहार्द्र, लैंगिक समानता, शिक्षा व स्वरोजगार के लिए जागरूक करेंगे। साथ ही, गांव के युवाओं को उद्यमिता का कोर्स कराकर उन्हें प्रमाण पत्र भी देंगे।

अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.अनु सिंह लाथर ने बताया कि हम विश्वविद्यालय के आसपास के छह गांवों को गोद लेंगे। विश्वविद्यालय का आउटरिच एंड एक्सटेंशन डिविजन इसे करेगा। आधुनिक सुविधा से युक्त एकेडमिक इनिशिएटिव वैन गांव-गांव पहुंचेगी और उसमें वह सभी सुविधाएं और जानकारी होंगी, जिससे गांव के लोग लाभांवित होंगे। इसे करने में दो वर्ष का समय लगेगा।

उन्होंने बताया कि हम वहां पर कानूनी साक्षरता के लिए भी काम करेंगे। यह पहल जानो अपना संविधान के तहत होगी। इसके तहत गांव के लोगों को उनके अधिकार के अलावा कर्तव्यों की भी जानकारी दी जाएगी।

सर्टिफिकेट कोर्स के लिए नहीं होगी फीस : कुलपति ने बताया कि गांवों के युवा जो सर्टिफिकेट कोर्स करेंगे, उसके लिए उन्हें किसी तरह की फीस नहीं देनी होगी। उनको हमारे यहां चलने वाले अटल इंक्यूबेशन सेंटर में प्रशिक्षित भी किया जाएगा। इसके अलावा, केयर एंड कम्युनिटी क्राइसिस मैनेजमेंट फॉर कम्युनिटी लीडर्स से संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स भी डिजाइन किया गया है।

आधुनिक सुविधा से लैस होगी वैन : एकेडमिक इनिशिएटिव वैन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। इसमें डिस्प्ले बोर्ड, कंप्यूटर के अलाव सभी मूलभूत सुविधाएं होंगी। यह गांव गांव में जाएगी। इससे गांव के छात्र नहीं अन्य लोग भी लाभांवित होंगे उनको साक्षर करने, लैंगि जागरूकता के लिए भी यह वैन का कारगर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा तरह का पहला प्रयास है।

डीयू ने भी इस दिशा में उठाए हैं कदम

डीयू ने भी दिल्ली के कुछ गांवों को गोद लिया है। वहां पर डीयू की तरफ से उद्यमिता का प्रशिक्षण, कोविड-19 के दौरान लोगों को वैक्सिनेशन सहित तमाम जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में देश में पहला स्थान पाने वाले मिरांडा हाउस कॉलेज ने भी कई गांवों को गोद लिया है और वहां स्वरोजगार के अलावा अन्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित करता है।